VIII मुद्रा प्रबंधन

वर्ष 2024-25 के दौरान मुद्रा प्रबंधन ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। संचलनगत स्वच्छ बैंकनोटों की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखना, बैंकनोट उत्पादन में आत्मनिर्भरता बनाए रखना, अनुसंधान द्वारा बैंकनोटों की प्रामाणिकता सुदृढ़ करना और बैंकनोटों की भावी मांग की आकलन प्रविधियों में सुधार लाना, मुख्य प्राथमिकताएं रहीं।

VIII.1 वर्ष के दौरान रिज़र्व बैंक जनता द्वारा नकदी की मांग को पूरा करने हेतु स्वच्छ बैंकनोटों और सिक्कों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा। वर्ष 2023-24 में शुरू किए गए ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों को वापस लेने की प्रक्रिया वर्ष के दौरान जारी रही। देश में, मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना के आधुनिकीकरण की योजना को वर्ष के दौरान आगे बढ़ाया गया। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सहयोग से मुद्रा परितंत्र में उपयोग की जा रही नोट छंटाई मशीनों (एनएसएम) को मानकीकृत किया गया। बैंकनोट के टुकड़ों के सतत उपयोग पर मुद्रा प्रबंध विभाग (डीसीएम) द्वारा शुरू की गई एक अनुसंधान परियोजना के सकारात्मक परिणाम मिले हैं और इस प्रक्रिया को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

VIII.2 इस पृष्ठभूमि में, इस अध्याय के बाकी हिस्से को पाँच खंडों में व्यवस्थित किया गया है। खंड 2 में 2024-25 की कार्य सूची के कार्यान्वयन की स्थिति को शामिल किया गया है, इसके बाद खंड 3 में अन्य प्रयासों के अतिरिक्त संचलनगत मुद्रा से संबंधित महत्वपूर्ण गतिविधियों को शामिल किया गया है। रिज़र्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) की गतिविधियों के बारे में जानकारी खंड 4 में दी गई है। 2025-26 के लिए विभाग की कार्यसूची खंड 5 में दी गई है और उसके साथ समापन टिप्पणियां दी गई हैं।

2. 2024-25 की कार्यसूची

VIII.3 विभाग ने 2024-25 के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए थे:

- मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना की आधुनिकीकरण परियोजना को आगे बढ़ाना (पैराग्राफ VIII.4);
- करेंसी नोट ब्रिकेट्स का अधिक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल निपटान की खोज करना (पैराग्राफ VIII.5);
- नीतियों को दुरुस्त करना तथा आम जनता को बैंकनोट/सिक्कों की आपूर्ति में सुधार के लिए उपाय शुरू करना (पैराग्राफ VIII.6); तथा
- देश भर में बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली नोट छंटाई मशीनों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा जारी तकनीकी मानकों का कार्यान्वयन (पैराग्राफ VIII.7)।

कार्यान्वयन की स्थिति

VIII.4 रिज़र्व बैंक ने, नेटवर्क इष्टतमीकरण (ऑप्टिमाइजेशन), तकनीकी समाधान, स्वचालन और करोबार प्रक्रिया पुनर्यन्त्रीकरण का उपयोग कर, देश में मुद्रा प्रबंधन प्रणाली के पुनर्निमाण और आधुनिकीकरण के लिए कई हितधारकों को शामिल करते हुए *'स-मुद्रा'* (मुद्रा के साथ) परियोजना शुरू की है। इसका अंतर्निहित उद्देश्य बेहतर प्रक्रिया दक्षता, स्वच्छ नोट नीति का प्रवर्तन, बेहतर सुरक्षा और मुद्रा प्रबंधन परिचालन

में हरित बदलाव लाना है। इस परियोजना को लागू करने के लिए एक कार्य बल का गठन किया गया है। इस परियोजना की व्यापकता और जटिलताओं को देखते हुए, इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

VIII.5 गंदे बैंकनोटों के निपटान के लिए सतत मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, विभाग ने बैंकनोट के टुकड़ों के वैकल्पिक उपयोग की पहचान करने के लिए एक परियोजना शुरू की। अनुसंधान और क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों के बाद, यह स्थापित हो गया है कि बैंकनोट के टुकड़ों का उपयोग पार्टिकल बोर्ड के निर्माण के लिए कच्चे माल के पूरक के रूप में किया जा सकता है। तदनुसार, पार्टिकल बोर्ड निर्माताओं को सूचीबद्ध करने के लिए एक प्रक्रिया शुरू की गई है जो अपने बोर्डों में लकड़ी के कणों के आंशिक प्रतिस्थापन में कच्चे माल के रूप में अंतिम उपयोग के लिए ब्रिकेट खरीदेंगे (बॉक्स VIII .1)।

बॉक्स VIII.1
बैंकनोट के टुकड़ों/ ब्रिकेट्स का टिकाऊ उपयोग

बैंकनोट पेपर सब्सट्रेट में निहित सामग्री जैसे कि सुरक्षा धागे और फाइबर, सुरक्षा स्याही और बैंकनोट छपाई में इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य रसायनों के पर्यावरणीय प्रभाव को ध्यान में रखते हुए; रिज़र्व बैंक बैंकनोट ब्रिकेट के निपटान के लिए टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधान तलाश रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत में वार्षिक उत्पादित बैंकनोट ब्रिकेट की मात्रा लगभग 15,000 टन रही है।

बैंकनोट के टुकड़ों के निपटान की वर्तमान वैश्विक प्रथाएं

वैश्विक स्तर पर, केंद्रीय बैंकों के साथ-साथ मुद्रा संचलन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार अन्य प्राधिकरण बैंकनोट के टुकड़ों के निपटान के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं, जिनमें से अधिकांश उन्हें जमीन भराई में या भस्मीकरण के माध्यम से निपटाते हैं (चार्ट1)। हालाँकि, ये तरीके हमेशा पर्यावरण के अनुकूल नहीं होते हैं और मिट्टी को प्रभावित कर सकते हैं और/या बैंकनोटों की रासायनिक और तात्विक प्रकृति पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकती है।

जमीन भराई में बैंकनोट के टुकड़ों को फेंकने, उन्हें ईंधन के विकल्प के रूप में जलाने, जैसी पुरानी निपटान विधियों की तुलना में, टिकाऊ वस्तुओं (जैसे- बोर्ड पैनल, सजावट की सामग्री, पार्टिकल बोर्ड फर्नीचर और ध्वनिक उप्करणों) के निर्माण के लिए गंदे बैंकनोट के टुकड़ों का पुनरुपयोग अधिक टिकाऊ पाया गया है।

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडब्ल्यूएसटी) के साथ अध्ययन परियोजना

विभाग ने आईडब्ल्यूएसटी[1] से एक अध्ययन की मांग की जिसका विषय था- 'पार्टिकल बोर्ड के निर्माण में काष्ठ-कणों के एवज में बैंकनोट ब्रिकेट के उपयोग की उपयुक्तता की जाँच'। इस अध्ययन ने स्थापित किया कि मुद्रा

चार्ट 1: बैंकनोट टुकड़ों के विभिन्न उपयोग

स्रोत: मेसर्स रॉयल डच कुस्टर्स इंजीनियरिंग, 'बैंकनोट श्रेड/ब्रिकेट्स का अपशिष्ट पुनर्प्राप्ति पिरामिड (निपटान की मूल्य श्रृंखला), नीदरलैंड'।

के ब्रिकेट कणों से बनाए गए पार्टिकल बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे।

अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर, रिज़र्व बैंक ने पार्टिकल बोर्ड निर्माताओं को पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की है, जो अपने बोर्ड में लकड़ी के कणों के आंशिक प्रतिस्थापन के रूप में अंतिम उपयोग के लिए ब्रिकेट खरीदेंगे। आगे बढ़ते हुए, विभाग बैंकनोट के टुकड़ों/ ब्रिकेट्स के निपटान के लिए अधिक पर्यावरण-अनुकूल तरीके खोजने की दिशा में अपना सक्रिय प्रयास जारी रखेगा।

स्रोत: आरबीआई।

[1] काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान; पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है।

VIII.6 रिज़र्व बैंक ने सिक्कों के प्रसार में सुधार के लिए विभिन्न प्रयास किए हैं, जैसे कि चल सिक्का वाहन (एमसीवी) के माध्यम से उनका वितरण और कम मूल्यवर्ग के नोटों से उनका विनिमय, सिक्का मेला और छोटे थैलों में सिक्कों की मूल्य-आधारित पैकेजिंग।

VIII.7 स्वच्छ नोट नीति के अनुसरण में, रिज़र्व बैंक ने बैंकों में स्थापित एनएसएम के लिए 'नोट सत्यापन और फिटनेस सॉर्टिंग मानक' पर निर्देश जारी किए हैं। हालाँकि, बैंकों द्वारा उपयोग किए जा रहे एनएसएम के अमानकीकरण के कारण बैंकनोटों की छंटाई में एकरूपता का अभाव देखा गया। इस मुद्दे को हल करने के लिए, रिज़र्व बैंक की पहल पर, बीआईएस ने मार्च 2024 में 'आईएस 18663: 2024 - नोट सॉर्टिंग मशीन (एनएसएम) विनिर्देश' तैयार किया और जारी किया। मानकों और प्रदर्शन परीक्षण मापदंडों को पूरा करने वाले एनएसएम के प्रमाणन के लिए बीआईएस की प्रयोगशाला सुविधा का लाभ उठाया जा रहा है। बैंकों को यह भी सूचित किया गया है कि वे केवल ऐसे एनएसएम मॉडल स्थापित करें जो इन मानकों के अनुरूप हों और 1 नवंबर 2025 से बीआईएस द्वारा विधिवत सत्यापित हों।

3. संचलनगत मुद्रा से जुड़ी गतिविधियां

VIII.8 संचलनगत मौजूद मुद्रा में बैंकनोट, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और सिक्के शामिल हैं। वर्तमान में, संचलनगत बैंकनोटों में ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500 और ₹2000 के मूल्यवर्ग के बैंकनोट शामिल हैं। रिज़र्व बैंक अब ₹2, ₹5 और ₹2000 मूल्यवर्गों के बैंकनोट नहीं छाप रहा है। संचलनगत मौजूद सिक्कों में 50 पैसे और ₹1, ₹2, ₹5, ₹10 और ₹20 मूल्यवर्गों के सिक्के शामिल हैं ।

बैंकनोट

VIII.9 वर्ष 2024-25 के दौरान संचलनगत बैंकनोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 6.0 प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी VIII.1)। 2024-25 के दौरान, ₹500 के बैंकनोटों

सारणी VIII.1: संचलनगत बैंकनोट (मार्च के अंत में)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (लाख में)			मूल्य (₹ करोड़)		
	2023	2024	2025	2023	2024	2025
1	2	3	4	5	6	7
2 और 5	1,10,843	1,10,547	1,10,352	4,263	4,249	4,239
	(8.1)	(7.5)	(7.1)	(0.1)	(0.1)	(0.1)
10	2,62,123	2,49,506	2,53,590	26,212	24,951	25,359
	(19.2)	(17.0)	(16.4)	(0.8)	(0.7)	(0.7)
20	1,25,802	1,33,973	1,38,398	25,160	26,795	27,680
	(9.2)	(9.1)	(8.9)	(0.8)	(0.8)	(0.8)
50	85,716	89,783	98,959	42,858	44,892	49,480
	(6.3)	(6.1)	(6.4)	(1.3)	(1.3)	(1.3)
100	1,80,584	2,05,656	2,27,891	1,80,584	2,05,656	2,27,891
	(13.3)	(14.0)	(14.7)	(5.4)	(5.9)	(6.2)
200	62,620	77,108	86,754	1,25,241	1,54,215	1,73,509
	(4.6)	(5.2)	(5.6)	(3.7)	(4.4)	(4.7)
500	5,16,338	6,01,770	6,34,458	25,81,690	30,08,847	31,72,287
	(37.9)	(41.0)	(40.9)	(77.1)	(86.5)	(86.0)
2000	18,111	410	318	3,62,220	8,202	6,366
	(1.3)	(0.03)	(0.02)	(10.8)	(0.2)	(0.2)
कुल	**13,62,137**	**14,68,754**	**15,50,720**	**33,48,228**	**34,77,805**	**36,86,811**

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

की हिस्सेदारी 86 प्रतिशत थी, जो मूल्य के संदर्भ में मामूली रूप से कम हुई। मात्रा के संदर्भ में, ₹500 मूल्यवर्ग का बैंकनोट संचलनगत कुल बैंकनोटों का 40.9 प्रतिशत (सर्वाधिक) था, इसके बाद ₹10 मूल्यवर्ग का बैंकनोट 16.4 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर था। कम मूल्यवर्ग के बैंकनोट (₹10, ₹20 और ₹50) मिलकर मात्रा के हिसाब से संचलनगत कुल बैंकनोटों का 31.7 प्रतिशत हिस्सा थे।

₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों को संचलन से वापस लेना

VIII.10 19 मई 2023 की प्रेस प्रकाशनी के अनुसार, ₹2000 के नोटों को संचलन से वापस लेने की प्रक्रिया वर्ष के दौरान जारी रही और घोषणा के समय संचलन में रहे 3.56 लाख करोड़ रुपये का 98.2 प्रतिशत 31 मार्च 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। ₹2000 के नोटों को बदलने और जमा करने की सुविधा वर्तमान में रिज़र्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों[2] में उपलब्ध है। ₹2000 रुपये के नोटों को भारत में बैंक खातों में जमा करने के लिए भारतीय डाक के माध्यम से भी 19 निर्गम कार्यालयों में से किसी को भी भेजा जा सकता है।

सिक्के

VIII.11 वर्ष 2024-25 के दौरान संचलनगत सिक्कों के मूल्य और मात्रा क्रमशः 9.6 प्रतिशत और 3.6 प्रतिशत बढ़े (सारणी VIII.2)। 31 मार्च 2025 तक, ₹1, ₹2 और ₹5 के सिक्के कुल संचलनगत सिक्कों की मात्रा का 81.6 प्रतिशत थे, जबकि मूल्य के संदर्भ में, इन मूल्यवर्गों का हिस्सा 64.2 प्रतिशत था।

संचलनगत e₹

VIII.12 वर्ष 2024-25 के दौरान संचलनगत e₹ का मूल्य 334 प्रतिशत बढ़ गया (सारणी VIII.3)।

मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना

VIII.13 मुद्रा (अर्थात् बैंकनोट और सिक्के) जारी करने और उनके प्रबंधन से संबंधित कार्य रिज़र्व बैंक द्वारा देश भर में अपने 19 निर्गम कार्यालयों, 2,689 करेंसी चेस्टों और 2,299 छोटे सिक्का डिपो के माध्यम से किए जाते हैं। 31 मार्च 2025 तक, भारतीय स्टेट बैंक के पास सबसे अधिक करेंसी चेस्ट थे (सारणी VIII.4)।

सारणी VIII.2: संचलनगत सिक्के (मार्च के अंत में)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (लाख में)			मूल्य (₹ करोड़)		
	2023	2024	2025	2023	2024	2025
1	2	3	4	5	6	7
छोटे सिक्के	1,47,880 (11.6)	1,47,880 (11.2)	1,47,880 (10.8)	700 (2.3)	700 (2.1)	700 (1.9)
1	5,21,618 (40.8)	5,29,934 (40.0)	5,38,720 (39.3)	5,216 (17.2)	5,299 (15.9)	5,387 (14.7)
2	3,47,277 (27.1)	3,55,929 (26.9)	3,64,605 (26.6)	6,946 (23.0)	7,119 (21.3)	7,292 (19.9)
5	1,94,155 (15.2)	2,05,471 (15.5)	2,16,198 (15.8)	9,708 (32.1)	10,274 (30.8)	10,810 (29.5)
10	59,764 (4.7)	68,637 (5.2)	83,636 (6.1)	5,976 (19.8)	6,864 (20.6)	8,364 (22.9)
20	8,483 (0.7)	15,667 (1.2)	20,180 (1.5)	1,697 (5.6)	3,133 (9.4)	4,036 (11.0)
कुल	**12,79,178**	**13,23,518**	**13,71,218**	**30,242**	**33,389**	**36,589**

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

[2] अहमदाबाद, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम।

सारणी VIII.3: संचलनगत e₹ (मार्च के अंत में)

e₹	मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (लाख में)			मूल्य (₹करोड़)		
		2023	2024	2025	2023	2024	2025
1	2	3	4	5	6	7	8
e₹-आर	0.5	2.7	18.4	23.0	0.01	0.09	0.11
		(16.1)	(7.7)	(4.7)	(0.2)	(0.04)	(0.01)
	1	3.8	37.3	45.7	0.04	0.37	0.46
		(22.2)	(15.7)	(9.3)	(0.7)	(0.2)	(0.05)
	2	2.8	27.1	38.8	0.06	0.54	0.78
		(16.2)	(11.4)	(7.8)	(1.0)	(0.2)	(0.08)
	5	2.4	27.3	35.4	0.12	1.37	1.77
		(13.9)	(11.5)	(7.2)	(2.1)	(0.6)	(0.2)
	10	1.5	21.4	30.6	0.15	2.14	3.06
		(8.8)	(9.0)	(6.2)	(2.6)	(0.9)	(0.3)
	20	1.2	19.7	32.0	0.23	3.94	6.39
		(6.8)	(8.3)	(6.5)	(4.1)	(1.7)	(0.6)
	50	0.8	17.0	33.3	0.39	8.49	16.64
		(4.6)	(7.1)	(6.7)	(6.9)	(3.6)	(1.6)
	100	0.8	20.7	38.2	0.83	20.73	38.23
		(4.8)	(8.7)	(7.7)	(14.5)	(8.9)	(3.8)
	200	0.6	16.0	45.7	1.16	32.01	91.33
		(3.4)	(6.7)	(9.2)	(20.4)	(13.7)	(9.0)
	500	0.5	32.9	171.5	2.71	164.36	857.68
		(3.2)	(13.8)	(34.7)	(47.5)	(70.2)	(84.4)
	2000	-	-	-	-	-	-
कुल e₹-आर		17.1	237.8	494.1	5.7	234.0	1,016.5
कुल e₹-डब्ल्यू		...	...	...	10.7	0.08	-
कुल e₹		**17.1**	**237.8**	**494.1**	**16.4**	**234.1**	**1,016.5**

- : शून्य e₹-आर: खुदरा e₹-डब्ल्यू: थोक ... : लागू नहीं.
टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा की मांग और आपूर्ति

VIII.14 वर्ष 2024-25 में बैंकनोटों और सिक्कों की मांग की मात्रा 2023-24 से अधिक थी (सारणी VIII.5 और VIII.6)। प्रिंटिंग प्रेसों ने उनको की गई मांग के अनुसार बैंकनोटों की आपूर्ति की।

गंदे बैंकनोटों का निपटान

VIII.15 वर्ष 2024-25 के दौरान गंदे बैंकनोटों के निपटान में पिछले वर्ष की तुलना में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी VIII.7)।

सारणी VIII.4: करेंसी चेस्ट और छोटे सिक्कों के डिपो (मार्च 2025 के अंत तक)

वर्ग	करेंसी चेस्ट की संख्या	छोटे सिक्कों के डिपो की संख्या
1	2	3
भारतीय स्टेट बैंक	1,372	1,221
राष्ट्रीयकृत बैंक	1,072	869
निजी क्षेत्र के बैंक	227	193
सहकारी बैंक	5	5
विदेशी बैंक	5	3
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	7	7
भारतीय रिज़र्व बैंक	1	1
कुल	**2,689**	**2,299**

स्रोत: आरबीआई।

जाली नोट

VIII.16 वर्ष 2024-25 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में पकड़े गए कुल जाली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) में से 4.7 प्रतिशत रिज़र्व बैंक में पकड़े गए (सारणी VIII.8)।

VIII.17 जाली नोटों में वर्ष 2024-25 के दौरान ₹10, ₹20, ₹50, ₹100 और ₹2000 मूल्यवर्ग में कमी आई, जबकि ₹200 और ₹500 मूल्यवर्ग में पिछले वर्ष की

सारणी VIII.5: बैंकनोटों की मांग और बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा आपूर्ति (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2022-23		2023-24		2024-25	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
5	-	-	-	-	-	-
10	6,000	6,000	8,000	8,000	18,000	18,000
20	20,000	19,999	20,000	20,000	15,000	15,000
50	20,000	20,000	25,000	25,000	30,000	30,000
100	60,000	60,000	70,000	70,000	80,000	80,000
200	20,000	20,000	30,000	30,000	40,000	40,000
500	1,00,000	1,00,004	90,000	90,000	1,20,000	1,20,000
2000	-	-	-	-	-	-
कुल	**2,26,000**	**2,26,002**	**2,43,000**	**2,43,000**	**3,03,000**	**3,03,000**

-: शून्य
बीआरबीएनएमपीएल: भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड।
एसपीएमसीआईएल: भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड।
टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.6: सिक्कों की मांग और टकसालों द्वारा आपूर्ति (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2022-23		2023-24		2024-25	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	7	8
1	1,000	1,000	3,000	3,058	1,000	1,000
2	3,000	3,000	3,000	3,000	1,000	1,000
5	3,000	3,000	3,000	3,000	8,000	8,000
10	1,000	1,002	1,000	1,000	1,000	1,000
20	2,000	2,000	2,000	1,999	4,000	4,000
कुल	**10,000**	**10,002**	**12,000**	**12,056**	**15,000**	**15,000**

टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

तुलना में क्रमशः 13.9 और 37.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी VIII.9)।

प्रतिभूति मुद्रण पर व्यय

VIII.18 वर्ष 2024-25 के दौरान प्रतिभूति मुद्रण पर व्यय 6,372.8 करोड़ रुपए था, जबकि पिछले वर्ष यह व्यय 5,101.4 करोड़ रुपए था। इसका मुख्य कारण बैंक नोटों के मुद्रण हेतु मांग में वृद्धि थी।

सारणी VIII.7: गंदे बैंकनोटों का निपटान (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2022-23	2023-24	2024-25
1	2	3	4
2000	4,824	18,458	2,211
1000	-	4	-
500	51,092	63,320	89,855
200	13,062	13,594	24,756
100	58,282	60,217	58,334
50	34,219	19,095	25,720
20	21,393	13,971	16,503
10	45,077	23,461	20,799
5 तक	1,315	370	384
कुल	**2,29,264**	**2,12,493**	**2,38,563**

-: शून्य।
टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

अन्य पहल

सिक्कों, मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफायर (मणि) और गंदे बैंकनोटों के विनिमय सुविधा के बारे में जागरूकता अभियान

VIII.19 वर्ष के दौरान, रिज़र्व बैंक ने जनता के बीच, सिक्कों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया और आकाशवाणी (एआईआर) के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए। रिज़र्व बैंक ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए भी आकाशवाणी के माध्यम से 'मणि' ऐप के बारे में जागरूकता अभियान चलाया, जो भारतीय बैंकनोटों के मूल्यवर्ग की पहचान करने में सहायता करता है। इसके अलावा,

सारणी VIII.8: जब्त किए गए जाली नोटों की संख्या (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या)

	2022-23	2023-24	2024-25
1	2	3	4
रिज़र्व बैंक में जब्त किए गए	10,465 (4.6)	17,613 (7.9)	10,255 (4.7)
अन्य बैंकों में जब्त किए गए	2,15,304 (95.4)	2,05,026 (92.1)	2,07,141 (95.3)
कुल	**2,25,769**	**2,22,639**	**2,17,396**

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. इस डेटा में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किए गए जाली नोट शामिल नहीं हैं।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.9: बैंकिंग प्रणाली में पकड़े गए जाली नोट-मूल्यवर्ग के अनुसार (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या)

मूल्यवर्ग (₹)	2022-23	2023-24	2024-25
1	2	3	4
2 और 5	3	1	3
10	313	235	159
20	337	297	253
50	17,755	15,366	12,015
100	78,699	66,310	51,069
200	27,258	28,672	32,660
500 (निर्दिष्ट बैंकनोट)	6	11	5
500	91,110	85,711	1,17,722
1000 (निर्दिष्ट बैंकनोट)	482	1	2
2000	9,806	26,035	3,508
कुल	**2,25,769**	**2,22,639**	**2,17,396**

स्रोत: आरबीआई।

गंदे नोटों के विनिमय की सुविधा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान चलाए गए।

भारतीय बैंकनोटों के लिए नई सुरक्षा विशेषताओं का प्रापण

VIII.20 भारतीय रिज़र्व बैंक बैंकनोटों के लिए नई/ उन्नत सुरक्षा विशेषताएं शुरू करने की प्रक्रिया को सक्रियतापूर्वक आगे बढ़ा रहा है।

बैंकनोट उत्पादन के लिए इनपुट का स्वदेशीकरण

VIII.21 विदेशी स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए, रिज़र्व बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में बैंकनोट उत्पादन के स्वदेशीकरण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया है। लगातार प्रयासों के साथ, बैंकनोटों के उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले सभी प्राथमिक कच्चे माल, यानी बैंकनोट कागज, सभी प्रकार की स्याही (ऑफसेट, नंबरिंग, इंटाग्लियो और कलर-शिफ्टिंग इंटाग्लियो स्याही), और अन्य सभी सुरक्षा विशेषताएं अब घरेलू स्रोतों से खरीदी जा रही हैं।

4. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल)

VIII.22 बीआरबीएनएमपीएल बैंकनोटों की डिजाइनिंग, मुद्रण और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीआरबीएनएमपीएल, जो कि रिज़र्व बैंक की एक सहायक कंपनी है, बैंकनोट उत्पादन के स्वदेशीकरण के रिज़र्व बैंक के कार्यनीतिक लक्ष्य के कार्यान्वयन में भागीदार रही है। यह संभार-तंत्र (लॉजिस्टिक्स) दक्षता बढ़ाने और विभिन्न करेंसी चेस्टों में प्रत्यक्ष धन प्रेषण बढ़ाकर लागत कम करने पर भी लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है। बीआरबीएनएमपीएल ने अपने मैसूर परिसर में शिक्षण और विकास केंद्र की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य मुख्य रूप से घरेलू और वैश्विक हितधारकों के साथ बैंकनोट मुद्रण और उससे संबद्ध ज्ञान को साझा करना है।

VIII.23 भारतीय बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं का उन्नत परीक्षण, जालसाजी निवारण परीक्षण, जाली नोटों का फोरेंसिक/ वैज्ञानिक विश्लेषण, उपलब्ध नवीनतम उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से नोटों की नैतिक (एथिकल) जालसाजी और भारतीय बैंकनोटों की सुरक्षा/ डिजाइन विशेषताओं के विकास के लिए, बीआरबीएनएमपीएल के प्रशासनिक नियंत्रण में मुद्रा अनुसंधान और विकास केंद्र (सीआरडीसी) की स्थापना की गई है।

5. 2025-26 की कार्यसूची

VIII.24 वर्ष के दौरान विभाग निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करेगा :

- मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना की आधुनिकीकरण परियोजना को आगे बढ़ाना ;
- नई/उन्नत सुरक्षा विशेषताओं की शुरूआत के माध्यम से भारतीय बैंकनोटों की प्रामाणिकता को मजबूत करना ;
- नई एसबीएस मशीनों की स्थापना और संचालन प्रारंभ ;
- बैंकनोटों के प्रसंस्करण के लिए क्षमता वृद्धि; तथा

- सर्वेक्षण के माध्यम से जनता के भुगतान व्यवहार को समझना।

6. निष्कर्ष

VIII.25 वर्ष 2024-25 के दौरान रिज़र्व बैंक ने, बैंकनोट और सिक्कों के वितरण की दक्षता में सुधार लाने, बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं और सिक्कों की स्वीकार्यता के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और जनता के लिए स्वच्छ मुद्रा नोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों को जारी रखा। मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना के आधुनिकीकरण और स्वचालन की दिशा में कार्रवाई में भी तेज़ी आई है। आगे चलकर ध्यान केंद्रित करने वाले मुख्य क्षेत्र रहेंगे: बैंकनोट उत्पादन में आत्मनिर्भरता बनाए रखना, बैंकनोटों के जीवन और गुणवत्ता को और मज़बूत करने के लिए विश्लेषणात्मक और विकासात्मक मुद्रा अनुसंधान के अलावा भुगतान के अन्य तरीकों की तुलना में नकदी के प्रति जनता की प्राथमिकताओं के रुझान को समझना।